Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
April to June 2025, E-Journal, Vol. I, Issue L (50), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों के एकाकी तथा संयुक्त परिवारों के विद्यार्थियों के अभिभावक अकादमिक सहभागिता का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. सुनीता मुर्डिया* सीमा कुमावत**

*सह आचार्य (शिक्षा) लोकमान्य तिलक शिक्षा महाविद्यालय, डाबोक (उदयपुर) (राज.) भारत
** शोधार्थी, जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय) उदयपुर (राज.) भारत

शोध सारांश – बालक में व्यक्तित्व के गुण जैसे सहभागिता संवेगात्मक या बौद्धिक स्तर सभी कुछ उसकी माँ सिखाती है। तब एक प्रश्न मानस में क्रोध जाता है कि क्या वे अभिभावक जो शिक्षित नहीं है, अपने बच्चों के व्यक्तितव के वे गुण जो शिक्षित अभिभावक विकसित कर पाते है करने में असमर्थ है? इस प्रश्न को लेकर यह शोध किया जा रहा है तथा ग्रामीण तथा शहरी विद्यालय में अध्ययनरत 400 छात्र 200, छात्राऐं (200,200) न्यादर्श पर अभिभावक अकादमिक सहभागिता उपकरण प्रशासित किया गया। सर्वेक्षण विधि का उपयोग करते हुउ प्रदत्तों पर मध्यमान, मानक विचलन, टी-मान ज्ञात कर तुलनात्मक विश्लेषण इस लेख में किया गया है।

प्रस्तावना – महात्मा गाँधी की माँ बहुत शिक्षित नहीं थी। स्वामी विवेकानन्द के अभिभावक ने उच्च शिक्षा ग्रहण नहीं की थी। सर्वपल्ली राधाकृष्णन के माता-पिता इतिहास के पन्नों में शिक्षित होने की उल्लेख नहीं मिलता। अब्दुल कलाम सर के अभिभावक ने उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं की थी। फिर ये महान हस्तियों ने अपना दुनिया में मशहूर किया था। अभिभावक सहभागिता बच्चों की शिक्षा में, उच्च स्तर प्राप्त करने में आवश्यक है? क्या एकल एवम् संयुक्त परिवारों के ग्रामीण तथा शहरी अभिभावकों की विद्यार्थियों के उच्च स्तर की ख्याति प्राप्त करने में सहायक है?

शोध उद्देश्य – प्रस्तुत शोध/लेख निम्न उद्देश्यों को लेकर बनाया गया:

1. शहरी विद्यालयों की एकाकी एवम् संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के अभिभावक अकादमिक सहभागिता प्रमापनी का क्षेत्रवार तुलनात्मक विश्लेषण।
2. ग्रामीण विद्यालयों के एकाकी एवम् संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के अभिभावक अकादमिक सहभागिता के क्षेत्रवार तुलनात्मक विश्लेषण।

1.2 शोध विधि शास्त्र

1. **न्यादर्श –** प्रस्तुत लेख हेतु शोध न्यादर्श इस प्रकार था।
2. **शोध विधि –** प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

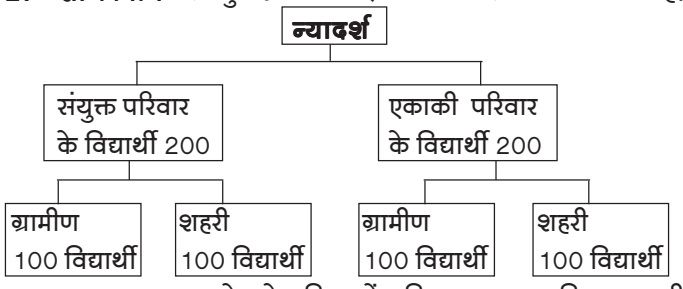

3. **उपकरण –** इस शोध लेख विषय में अभिभावक अकादमिक प्रमापनी के क्षेत्रवार निष्कर्ष निकालने हेतु शोधकर्त्री ने अभिभावक अकादमिक प्रमापनी का निर्माण किया है। जिसमें 13 क्षेत्र तथा 150 कथनों का निर्माण किया गया प्रमापनी की विश्वसनीयता 827 प्राप्त हुई।

1.3 दत्त विश्लेषण – शोध लेख के उद्देश्यानुसार गणना से पहले अभिभावक अकादमिक सहभागिता प्रमापनी को ग्रामीण तथा शहरी विद्यार्थियों के संयुक्त तथा एकाकी परिवारों को विद्यार्थियों पर प्रशासित किया गया। क्षेत्रवार मध्यमान मानक विचलन तथा टी-मान ज्ञात कर तुलनात्मक विश्लेषण एवम् विवेचना/व्याख्या की गयी।

1.4 उद्देश्य 1

ग्रामीण विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के अभिभावक अकादमिक सहभगिता का अध्ययन करना।

सारणी 1 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

सारणी 1 से प्राप्त आँकड़ों के क्षेत्रवार विश्लेषण से निम्न परिणाम परिलक्षित होते हैं-

क्षेत्रवार विश्लेषण-

1. **संज्ञानात्मक पक्ष –** ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (N=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 9.78, 11.13 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.12, 1.98 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता के लिए टी-मान ज्ञात किया गया। जिसका मान 3.75 प्राप्त हुआ, जो कि 198. (df=198) के .01 स्तर के सारणी मान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के संज्ञात्मक पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि संज्ञानात्मक पक्ष की दृष्टि से संयुक्त परिवार सतोषपद्र है।
2. **सामाजिक पक्ष –** ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के 100, 100 विद्यार्थियों (N=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त

राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 9.60, 11.50 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.08, 1.89 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता के लिए टी-मान ज्ञात किया गया। जिसका मान 5.50 प्राप्त हुआ, जो कि 198 df=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि राजकीय विद्यालय के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों में सामाजिक पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि सामाजिक पक्ष की दृष्टि से संयुक्त परिवार ठीक है।

3. मनोवैज्ञानिक पक्ष- ग्रामीण विद्यालयों में (100, 100) के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 13.55, 15.75 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.81, 2.30 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता के लिए टी-मान ज्ञात किया गया। जिसका मान 4.75 प्राप्त हुआ, जो कि 198 df=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता ग्रामीण है कि ग्रामीण विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों में मनोवैज्ञानिक पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि मनोवैज्ञानिक पक्ष की दृष्टि से संयुक्त परिवार संतोषप्द्र है।

4. संवेगात्मक पक्ष – ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 7.70, 9.20 तथा मानक विचलन क्रमश: 0.72, 1.45 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता के लिए टी-मान ज्ञात किया गया। जिसका मान 5.84 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता गण है कि ग्रामीण विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों में संवेगात्मक पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है । मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि संवेगात्मक पक्ष की दृष्टि से संयुक्त परिवार ठीक है।

5. सृजनात्मक पक्ष – राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 9.68, 11.35 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.54, 1.89 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता के लिए टी-मान ज्ञात किया गया। जिसका मान 4.34 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के, सृजनात्मक पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि सृजनात्मक पक्ष की दृष्टि से संयुक्त परिवार संतोषप्द्र है।

6. अनुशासनात्मक पक्ष- ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 9.65, 11.45 तथा मानक विचलन क्रमश: 0.86, 1.71 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता के लिए टी-मान ज्ञात किया गया। जिसका मान 5.94 प्राप्त हुआ, 198 जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के अनुशासनात्मक पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि संयुक्त परिवार, एकाकी परिवार की अपेक्षा अनुशासनात्मक पक्ष की दृष्टि से अधिक उपयुक्त है।

7. मनोरंजनात्मक पक्ष – ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 9.73, 11.45 तथा मानक विचलन क्रमश: 0.99, 1.84 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता के लिए टी-मान ज्ञात किया गया। जिसका मान 5.22 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के 01 स्तर के सारणीयन 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के मनोरंजनात्मक पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि संयुक्त परिवार, मनोरंजनात्मक पक्ष की दृष्टि से ठीक है।

8. नेतृत्व – ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 7. 83, 9.10 तथा मानक विचलन क्रमश: 0.68, 1.48 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता के लिए टी-मान ज्ञात किया गया। जिसका मान 4.95 प्राप्त हुआ, जो कि 198 df=198 के .01 स्तर के सारणीयन 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण विद्यालय के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के नेतृत्व पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि संयुक्त परिवार, नेतृत्व पक्ष की दृष्टि से अधिक उपयुक्त है।

9. आधारभूत आवश्यकता एवं सुविधाओं की पूर्ति- ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=40,40) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 9.68, 11.50 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.07, 1.89 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता के लिए टी-मान ज्ञात किया गया। जिसका 198 मान 5.30 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीयन 2.60 से अधिक पाया के स्तर गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण विद्यालय के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के आधारभूत आवश्यकता एवं सुविधाओं की पूर्ति के पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है । मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि आधारभूत आवश्यकता एवं सुविधाओं की पूर्ति की दृष्टि से संयुक्त परिवार उपयुक्त है।

10. उपलब्धि- ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 7. 78, 9.15 तथा मानक विचलन क्रमश: 0.66, 1.48 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता के लिए टी-मान ज्ञात किया गया। जिसका मान 5.37 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के 01 स्तर के सारणीयन 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के उपलब्धि क्षेत्र में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि उपलब्धि क्षेत्र की दृष्टि से संयुक्त परिवार प्रभावी है।

11. बालक के प्रत्येक कार्य के प्रति चिंतित ग्रामीण विद्यालय में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 9.90, 11.45 तथा मानक विचलन क्रमश: 0.81, 1.74 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता के लिए टी-मान ज्ञात किया गया। जिसका मान 5.11 198 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीयन 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण विद्यालय के एकाकी एवं संयुक्त परिवार

के विद्यार्थियों के बालक के प्रत्येक कार्य के प्रति चिंतित क्षेत्र में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि क्षेत्र की दृष्टि में एकाकी परिवार की अपेक्षा, संयुक्त परिवार अधिक प्रभावी है।

12. विद्यालय एवं परिवार के मध्य संबंध– ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 9.63, 11.50 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.13, 1.89 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता के लिए टी–मान ज्ञात किया गया। जिसका मान 5.38 198 प्राप्त हुआ जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीयन 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के विद्यालय एवं परिवार के मध्य संबंध क्षेत्र में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि संयुक्त परिवार, विद्यालय एवं परिवार के मध्य संबंध की दृष्टि से एकाकी परिवार से अधिक प्रभावी है।

13. पर्यावरणीय चेतना– ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 7.70, 8.85 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.36, 1.55 प्राप्त हुआ। मध्यमान के अन्तर की सार्थकता के लिए टी–मान ज्ञात किया गया। जिसका मान 3.53 प्राप्त हुआ जो कि 198 df=198 के .01 स्तर के सारणीयन 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण विद्यालय के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के पर्यावरणीय चेतना के पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि संयुक्त परिवार, पर्यावरणीय चेतना की दृष्टि से एकाकी परिवार से अधिक जागरूक है।

समग्र क्षेत्रों के विश्लेषण से यह परिणाम प्राप्त होता है कि ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के समग्र क्षेत्रों पर 100, 100 व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 122.18, 143.38 तथा मानक विचलन क्रमश: 7.81, 20.19 प्राप्त हुआ। समग्र क्षेत्रो का टी–मान 6.19 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के 01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक प्राप्त हुआ। इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के अभिभावक अकादमिक सहभागिता के मध्य सार्थक अन्तर पाया जाता है। ग्रामीण विद्यालयों के संयुक्त परिवार अभिभावक अकादमिक सहभागिता एकाकी परिवार से अधिक प्रभावी पायी गयी है। अत: परिकल्पना 3 'ग्रामीण विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के अभिभावक अकादमिक सहभागिता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।' अस्वीकृत की जाती है।

उद्देश्य 2 शहरी विद्यालयों के एकाकी एवम् संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के अभिभावक अकादमिक सहभागिता का तुलनात्मक अध्ययन

सारणी 2 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

सारणी 2 से प्राप्त आँकड़ों के क्षेत्रवार विश्लेषण से निम्न परिणाम परिलक्षित होते है–

क्षेत्रवार विश्लेषण–

1. संज्ञानात्मक पक्ष– शहरी विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N=**100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 11.13.33 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.57, 1.21 प्राप्त हुआ। इस क्षेत्र का टी–मान 7. 198 42 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि शहरी विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के संज्ञात्मक पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है । मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि संज्ञानात्मक पक्ष की दृष्टि से संयुक्त परिवार, एकाकी परिवार से अधिक प्रभावी है।

2. सामाजिक पक्ष– शहरी विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 10.78, 13.05 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.27, 1.50 प्राप्त हुआ। इस क्षेत्र का टी–मान 7.31 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.61 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि शहरी विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के सामाजिक पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि सामाजिक पक्ष की दृष्टि से संयुक्त परिवार, एकाकी परिवार से अधिक प्रभावी है।

3. मनोवैज्ञानिक पक्ष– शहरी विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 14. 95, 17.95 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.65, 1.89 प्राप्त हुआ। इस क्षेत्र का टी–मान 7.55 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि शहरी विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के मनोवैज्ञानिक पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि मनोवैज्ञानिक पक्ष की दृष्टि से संयुक्त परिवार, एकाकी परिवार से अधिक प्रभावी है।

4. संवेगात्मक पक्ष– शहरी विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 8.65, 10.43 तथा मानक विचलन क्रमश: 0.95, 1.38 प्राप्त हुआ। इस क्षेत्र का टी–मान 6.71 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि निजी विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों में संवेगात्मक पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है । मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि संवेगात्मक पक्ष की दृष्टि से संयुक्त परिवार ठीक है।

5. सृजनात्मक पक्ष– शहरी विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 10.98, 13.03 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.62, 1.51 प्राप्त हुआ। इस क्षेत्र का टी–मान 5.84 प्राप्त हुआ, जो कि df =198 .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि शहरी विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों में सृजनात्मक पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि सृजनात्मक पक्ष की दृष्टि से संयुक्त परिवार संतोषप्द्र है।

6. अनुशासनात्मक पक्ष – शहरी विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 10.85, 12.93 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.21, 1.59 प्राप्त हुआ। इस क्षेत्र का टी–मान 6.56 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है।

अत: इससे स्पष्ट होता है कि निजी विद्यालय के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों में अनुशासनात्मक पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि अनुशासनात्मक पक्ष की दृष्टि से संयुक्त परिवार प्रभावी है।

7. मनोरंजनात्मक पक्ष – शहरी विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 10.93, 12.93 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.56, 1.51 प्राप्त हुआ। इस क्षेत्र का टी–मान 5.83 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि शहरी विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों में मनोरंजनात्मक पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि मनोरंजनात्मक पक्ष की दृष्टि से संयुक्त परिवार प्रभावी है।

8. नेतृत्व – शहरी विद्यालय में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 8.75, 10.73 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.06, 0.96 प्राप्त हुआ। इस क्षेत्र का टी–मान 8.75 प्राप्त हुआ जो कि कत्रि198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि शहरी विद्यालय के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के नेतृत्व क्षेत्र में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि संयुक्त परिवार, नेतृत्व पक्ष की दृष्टि से अधिक प्रभावी है।

9. आधारभूत आवश्यकता एवं सुविधाओं की पूर्ति शहरी विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 10.78, 13.15 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.31, 1.73 प्राप्त हुआ। इस क्षेत्र का टी–मान 6.91 प्राप्त हुआ, जो कि df=78 के .01 स्तर के. सारणीमान 2.61 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि शहरी विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के आधारभूत आवश्यकता एवं सुविधाओं की पूर्ति के पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि आधारभूत आवश्यकता एवं सुविधाओं की पूर्ति की दृष्टि से संयुक्त परिवार उपयुक्त है।

10. उपलब्धि – शहरी विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: df=198 8.68, 10.48 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.00, 1.24 प्राप्त हुआ। जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि निजी विद्यालय के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के उपलब्धि क्षेत्र में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि उपलब्धि पक्ष की दृष्टि से संयुक्त परिवार संतोषपद्र है।

11. बालक के प्रत्येक कार्य के प्रति चिंतित – शहरी विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 10.85, 13.40 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.12, 1.45 प्राप्त हुआ। इस क्षेत्र का टी–मान 8.81 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि शहरी विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के बालक के प्रत्येक कार्य के प्रति चिंतित क्षेत्र में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि इस क्षेत्र की दुष्टि से एकाकी परिवार की अपेक्षा, संयुक्त परिवार अधिक प्रभावी है।

12. विद्यालय एवं परिवार के मध्य संबंध – शहरी विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 10.83, 13.28 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.32, 1.58 प्राप्त हुआ। इस क्षेत्र का टी–मान 7.51 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि शहरी विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के विद्यालय एवं परिवार के मध्य संबंध में सार्थक अन्तर पाया गया है । मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि संयुक्त परिवार, विद्यालय एवं परिवार के मध्य संबंध की दृष्टि से ए से, एकाकी परिवार से अधिक प्रभावी है।

13. पर्यावरणीय चेतना– शहरी विद्यालय में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 08.48, 09.80 तथा मानक विचलन क्रमश: 1.58, 1.42 प्राप्त हुआ। इस क्षेत्र का टी–मान 3.94 प्राप्त हुआ, जो कि df=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। अत: इससे स्पष्ट होता है कि निजी विद्यालय के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के पर्यावरणीय चेतना के पक्ष में सार्थक अन्तर पाया गया है। मध्यमान के अन्तर से स्पष्ट होता है कि संयुक्त परिवार, पर्यावरणीय चेतना की दृष्टि से एकाकी परिवार से अधिक जागरूक है।

समग्र क्षेत्रों के विश्लेषण से यह परिणाम प्राप्त होता है कि शहरी विद्यालयों में अध्ययनरत एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (**N**=100,100) के इस क्षेत्र पर व्यक्त राय के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: 136.48, 164.45 तथा मानक विचलन क्रमश: 12.83, 13.31 प्राप्त हुआ। समग्र क्षेत्रों का टी–मान 9.57 प्राप्त हुआ, जो कि वष=198 के .01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक पाया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि शहरी विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के अभिभावक अकादमिक सहभागिता के मध्य सार्थक अन्तर पाया जाता है । शहरी विद्यालयों के संयुक्त परिवार अभिभावक अकादमिक सहभागिता एकाकी परिवार से अधिक प्रभावी पायी गयी है। अत: परिकल्पना 4 'शहरी विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के अभिभावक अकादमिक सहभागिता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।' अस्वीकृत की जाती है।

उपसंहार – प्रस्तुत लेख में उदयपुर जिले के ग्रामीण तथा शहरी माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत संयुक्त तथा एकाकी परिवार के अभिभावकों के अकादमिक सहभागिता का तुलनात्मक अध्ययनु प्रस्तुत किया गया है। मध्यमान, मानकविचलन तथा टी–मान सांख्यिकी की उपयोग सर्वेक्षण विधि से प्राप्त प्रदतों पर गणना कर निष्कर्ष प्रत्येक सारणी के बाद प्रस्तुत किये गये है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. H. Witmer& R.Kotinsky:"Personality in the making", New York, Harper and Row Publisher.
2. Hurlock:"Child Psychology", McGraw Hill Book Co.Inc., 1956
3. Hurlock:"Child Psychology", MC Graw Hill Book Co.Inc. 1956

4. Michael Romance:"Parental cognitive modes and teaching styles with pre-school children", Diss- Abst. Int., 1970
5. V. Fischman:"The influence of educational patterns on the socialization of children", Psycho- Abot- 68 (Sept) 1982
6. Brend Mack:"Anxiety in school children with special reference parental educational methods", Psychol- Abst- 68 (Nov) 1982.
7. A.K. Gupta :"Study of parental preference in relation to adolescents, Personality and achievement", Third Survey of Research in Edu., 1984.
8. Keithtz& P-B- Krith :"Does parental involvement affect eight-grade student achievement? Structural Analysis of National Data School Psychology Review 22(3), 1993.
9. डॉ. मधु गुप्ता :'परिवार की प्रकृति, गृह वातावरण एवं माता–पिता की सहभागिता का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव', शिक्षा की पत्रिका, नया शिक्षक, दिसम्बर–जनवरी, 2005
10. भटनागर आर.पी., 1992 :'आर्गेनाइजेशन एण्ड एडमीनीस्ट्रेटीव कान्सन्ट्रेन्ट्स ऑफ क्वालिटी रिसर्च इन एजुकेशन' (शोध लेख) युनिवर्सिटी न्युज, जून 2000 पृष्ठ सं. 6
11. गुड तथा स्केट्स, 1945 :'मेथडस ऑफ एजुकेशन रिसर्च' पृष्ठ सं. 40
12. गुड तथा स्केट्स, 1959 :'इन्ट्रोडक्शन टू एजुकेशन रिसर्च' पृष्ठ सं. 95
13. ढोढ़ियाल एवं 1973 फाटक:'शैक्षिक अनुसंधान का विधि शास्त्र' राजस्थान ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 1982

सारणी 1 ग्रामीण विद्यालयों के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (N=200) के अभिभावक अकादमिक सहभागिता का तुलनात्मक अध्ययन

क्र.	क्षेत्र	समूह	ग्रामीण विद्यालय के विद्यार्थी के मध्यमान	ग्रामीण विद्यालय के विद्यार्थी के मानक विचलन	टी–मान	.05/.01 स्तर पर सार्थकता
1	संज्ञानात्मक पक्ष	एकाकी	9.78	1.12	3.75	.01 स्तरपर सार्थक
		संयुक्त	11.13	1.98		
2	सामाजिक पक्ष	एकाकी	9.60	1.08	5.50	.01 स्तर पर
		संयुक्त	11.50	1.89		
3	मनोवैज्ञानिक पक्ष	एकाकी	13.55	1.81	4.75	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	15.75	2.30		
4	संवेगात्मक पक्ष	एकाकी	9.68	1.54	5.84	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	11.35	1.89		
5	सृजनात्मक पक्ष	एकाकी	9.68	1.54	4.34	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	11.35	1.89		
6	अनुशासनात्मक पक्ष	एकाकी	9.65	0.86	5.94	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	11.45	1.71		
7	मनारेंजनात्मक पक्ष	एकाकी	9.73	0.99	5.22	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	11.45	1.84		
8.	नेतृत्व	एकाकी	7.83	0.68	4.95	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	9.10	1.48		
9.	आधारभूत आवश्यकताओं एवं सुविधाओं की पूर्ति	एकाकी	9.68	1.07	5.30	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	11.50	1.89		
10.	उपलब्धि	एकाकी	7.78	0.66	5.37	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	9.15	1.48		
11.	बालक के प्रत्येक कार्य के प्रति चिन्तित	एकाकी	9.90	0.81	5.11	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	11.45	1.74		
12.	विद्यालय व परिवार के मध्य संबंध	एकाकी	9.63	1.13	5.38	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	11.50	1.89		
13.	पर्यावरणीय चेतना	एकाकी	7.70	1.36	3.53	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	8.85	1.55		
	समग्र क्षेत्र	एकाकी	122.18	7.81	6.19	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	143.38	20.19		

स्वतंत्रता के अंश (df=198) पर .05 स्तर का सारणीमान = 1.97 .01 स्तरका सारणीमान = 2.60

सारणी 2: शहरी विद्यालय के एकाकी एवं संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों (N=200) के अभिभावक अकादमिक सहभागिता का तुलनात्मक अध्ययन

क्र.	क्षेत्र	समूह	ग्रामीण विद्यालय के विद्यार्थी के मध्यमान	ग्रामीण विद्यालय के विद्यार्थी के मानक विचलन	टी-मान	.05/.01 स्तर पर सार्थकता
1	संज्ञानात्मक पक्ष	एकाकी	11.00	1.57	7.42	.01 स्तरपर सार्थक
		संयुक्त	13.33	1.21		
2	सामाजिक पक्ष	एकाकी	10.78	1.27	7.31	.01 स्तर पर
		संयुक्त	13.05	1.50		
3	मनोवैज्ञानिक पक्ष	एकाकी	14.95	1.65	7.55	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	17.95	1.89		
4	संवेगात्मक पक्ष	एकाकी	8.65	0.95	6.71	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	10.43	1.38		
5	सृजनात्मक पक्ष	एकाकी	10.98	1.62	5.84	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	13.03	1.51		
6	अनुशासनात्मक पक्ष	एकाकी	10.85	1.21	6.56	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	12.93	1.59		
7	मनारेंजनात्मक पक्ष	एकाकी	10.93	1.56	5.83	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	12.93	1.51		
8.	नेतृत्व	एकाकी	8.75	1.06	8.75	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	10.73	0.96		
9.	आधारभूत आवश्यकताओं एवं सुविधाओं की पूर्ति	एकाकी	10.78	1.31	6.91	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	13.15	1.73		
10.	उपलब्धि	एकाकी	8.68	1.00	7.15	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	10.48	1.24		
11.	बालक के प्रत्येक कार्य के प्रति चिन्तित	एकाकी	10.85	1.12	8.81	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	13.40	1.45		
12.	विद्यालय व परिवार के मध्य संबंध	एकाकी	10.83	1.32	7.51	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	13.28	1.58		
13.	पर्यावरणीय चेतना	एकाकी	8.48	1.58	3.94	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	9.80	1.42		
	समग्र क्षेत्र	एकाकी	136.48	12.83	9.57	.01 स्तर पर सार्थक
		संयुक्त	164.45	13.31		

स्वतंत्रता के अंश (df=198) पर
.05 स्तर का सारणीमान = 1.97
.01 स्तर का सारणीमान = 2.60

****